IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"ललितपुर जनपद में शिक्षा की गुणवत्ता का संवर्द्धन की आवश्यकता"

निर्देशक
डॉ0 सुनील कुमार जैन
प्राचार्य
भगवान आदिनाथ कालेज आफ एजुकेशन
ललितपुर (बी0 एड0 विभाग)

श्री राम प्रताप विश्वकर्मा
असि0 प्रोफेसर
भगवान आदिनाथ कालेज आफ एजुकेशन
ललितपुर (बी0 एड0 विभाग)

शोध सारांश

शोध अध्ययन क्षेत्र ललितपुर जनपद में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के कियान्वयन के लिए गुणवत्तापरक शैलियों की परिकल्पना को स्पष्ट रूप से समझना अत्यावश्यक होगा। इस सन्दर्भ में भारत सरकार द्वारा उच्चतम निकाय के रूप में गछित में राष्ट्रीय ज्ञान आयोग ने विद्यालयीय शिक्षा के विविध क्षेत्रों में सृजनात्मकता, नवीन प्रयोग एवं उत्पादकता के संवर्द्धन हेतु विशेष ध्यान दिया गया है। इस सन्दर्भ में आयोग ने गुणवत्ता की चुनौतियों पर विशेष ध्यान दिया तथा विद्यालयीय शिक्षा की गुणवत्ता को उत्कृष्ट बनाने हेतु तथा बच्चों की खुशी–खुशी में तनाव मुक्त वातावरण बनाने के लिए उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा वर्ष 2010–11 में समग्र गुणवत्ता के हेतु अधिगम प्रकिया ,अधिगम सम्पत्ति , न्यूनतम आवश्यक परिस्थितियॉ, नवीन पाठ्यचर्चा व टी0 एल0 एम0 के आधार पर विषयवस्तु में कमियॉ, मूल्यांकन प्रणाली, अध्यापक प्रभाविता, शैक्षिक समर्थन एवं अनुश्रवण प्रणाली, समुदाय एवं समाज की भागीदारी, बच्चों की सीखने के स्तर में वृद्धि आदि चुनौतियों को शिक्षा का अधिकार अधिनयम को कियान्वित करने हेतु संकल्पबद्ध हैं।

प्रस्तावना :–

प्रस्तुत शोध क्षेत्र शिक्षा की गुणवत्ता का संवर्द्धन जनपद ललितपुर सहित सम्पूर्ण राष्ट्रमें नई शिक्षा नीति 1986 के अनुसार प्रत्येक बालक बालिका के शैक्षणिक विकास, उनकी अभिरूचि एवं क्षमता की योग्यता के अनुरूप, शिक्षण का पठन पाठन में निर्देशात्मक अनुदेशात्मक शैली के स्थान पर सृजनात्मक के नये ज्ञान का सृजन , प्राथमिक स्तर पर प्रोजेक्ट विधि द्वारा बच्चों को गणित विषय के भय को कम करना, उच्च प्राथमिक स्तर विज्ञान, शिक्षण कौशल शिक्षण का विकास किया जा सकता है। कक्षा 1 से 8 तक शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा एवं पर्यावरण शिक्षा का विकास करके संवर्द्धन बढ़ाया जा सकता है। " शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता को बनाने के लिए बच्चों के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक स्तर, शारीरिक विकास, मानसिक बौद्धिक विकास चारित्रिक विकास , आध्यात्मिक विकास, सांस्कृतिक विकास , आर्थिक सक्षमता का विकास , अच्छी रूचि शोच का विकास, चिन्तनशक्ति का नागरिकता की भावना का विकास, वातावरण समायोजन का विकास, सामाजिक उत्तरदायित्व ,जनशिक्षा का प्रचार–प्रसार, राष्ट्रीय एकता की भावना विकास, रोजगार परक शिक्षा , व्यावसायिक शिक्षा, आधुनीकरण कौशल तकनीकी का विकास पर्यावरण एवं

जीव–जन्तु का विकास आदि से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करके सभ्य समाज, सभ्य राष्ट्र विकसित किया जा सकता है। '' शिक्षा की गुणवत्ता के संवर्द्धन में शैक्षिक समस्याओं के निदान हेतु शिक्षण अधिगम के क्षेत्र में व्यापक अनुसंधान कार्य, नवाचार, कौशल तकनीकी तथा आधुनिक मनोवैज्ञानिक के द्वारा शिक्षा में गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए तथा उच्च शैक्षिक जीवन मूल्यों का निर्माण किया जा सकता है।

ललितपुर जनपद में विकासखण्डवार शिक्षा की गुणवत्ता का संवर्द्धन :–

जनपद के प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता को परखने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यशाला एवं पश्चिमी का आयोजन सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत होने वाली सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण योजना में बालकेन्द्रित शिक्षण अधिगम प्रक्रिया फील्ड में यथार्थ स्थिति, उवलब्ध संसाधनों की सीमाओं में ध्यान रखते हुए अध्ययन क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता प्राथमिक से उच्च शिक्षा स्तर शिक्षण विकास के उन्नति के लिए एजेन्सी तथा संस्थान कार्यरत है। प्राथमिक स्तर बी0 आर0 सी0 डायट, माध्यमिक स्तर जनपद शिक्षण केन्द्र , स्नातक एवं स्नात्कोत्तर स्तर तक विश्वविद्यालय , शोध स्तर पर , यू0जीसी0, एन0 सी0 ई0 टी0, एस0सी0आर0ई0टी0 संस्थाऐं शिक्षा की गुणवत्ता के संवर्द्धन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। शोधार्थी अपने शोध क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता के संवर्द्धन के लिए ललितपुर जनपद में प्राथमिक ,उच्च प्राथमिक , माध्यमिक स्नातक, स्नात्कोत्तर एवं औद्योगिक शिक्षण में कार्यरत शिक्षकों की संख्या एवं स्त्री शिक्षक की संस्थाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है।

ललितपुर जनपद में शिक्षा संवर्द्धन में कार्यरत शिक्षकों की संख्या : 2018– 19
(विकासखण्डवार)
सारणी सं0 1

क्र0 सं0	विकासखण्ड का नाम	प्रा0 शिक्षकों की संख्या		उच्च प्रा0 शिक्षकों की संख्या		मा0 शिक्षकों की संख्या		स्नातक शिक्षकों की संख्या		स्नात्कोत्तर शिक्षकों की संख्या		औद्योगिक शिक्षकों की संख्या	
		कुल	स्त्री	कुल	स्त्री	कुल	स्त्री	कुल	स्त्री	कुल	स्त्री	कुल	स्त्री
1	तालबहेट	910	538	411	174	86	35	25	5	0	0	4	0
2	जखौरा	1103	639	607	348	54	10	25	6	0	0	4	0
3	बार	683	209	384	113	75	16	0	0	0	0	0	0
4	बिरघा	963	420	526	209	85	20	15	5	0	0	0	0
5	महरौनी	907	367	616	182	80	35	21	5	0	0	0	0
6	मण्डावरा	732	218	364	88	45	25	0	0	0	0	0	0
	ग्रामीण योग	5298	2391	2908	1114	425	141	86	21	0	0	8	0
	नगरीय योग	884	671	347	183	105	43	42	16	14	4	13	3
	जनपद योग	6182	8064	3255	1297	530	184	128	37	14	4	21	3

स्रोत :– जनपद सांख्यिकीय पत्रिका ललितपुर 2018–19 ,तालिका संख्या 41

ललितपुर जनपद में शिक्षा संवर्द्धन में कार्यरत शिक्षकों की वर्तमान स्थिति की जानकारी सारणी सं0 1 द्वारा प्रदर्शित किया गया है। अध्ययन क्षेत्र में 6 विकासखण्ड में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं स्नातक , स्नात्कोत्तर औद्योगिक शिक्षकों की कुल वर्तमान समय में पुरूष एवं स्त्री शिक्षकों की विकासखण्डबार अध्ययन किया गया है।

जनपद में प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों की कुल संख्या 6182 तथा कुल ग्रामीण स्तर पर कार्यरत शिक्षकों की कुल संख्या 5298 है तथा नगरीय क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों की संख्या 884 है। जिसमें स्त्री शिक्षकों की संख्या 3064 है। उच्च प्राथमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों की संख्या 3255 है। जब कि ग्रामीण क्षेत्र में 2908 तथा नगरीय क्षेत्रों में 347 है जिसमें महिला शिक्षकों की संख्या 1297 है। माध्यमिक स्तर पर कार्यरत अध्यापकों की संख्या जनपद स्तर पर 530 है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों की संख्या 425 और नगरीय स्तर पर 125 है जिसमें महिला शिक्षकों की संख्या 184 है । ग्रामीण स्तर पर महिला शिक्षकों की संख्या 141 है तथा नगरीय क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों की संख्या 43 है।

स्नातक स्तर पर कार्यरत कुल शिक्षकों की संख्या जनपद स्तर पर 128 है जिसमें ग्रामीण स्तर पर 86 तथा नगरीय स्तर पर 42 शिक्षक कार्यरत है, जिसमें महिला शिक्षकों की संख्या स्नातक स्तर पर 37 है। ग्रामीण स्तर पर 21 नगरीय स्तर पर 16 कार्यरत महिला शिक्षक है। स्नात्कोत्तर स्तर पर कुल शिक्षकों की संख्या 14 है जिसमें ग्रामीण स्तर पर 0 है तथा नगरीय स्तर पर कार्यरत शिक्षकों की संख्या 14 है। स्नात्कोत्तर स्तर पर महिला शिक्षकों की संख्या 4 है। इस प्रकार औद्योगिक शिक्षण कार्य में शिक्षकों की संख्या 21 है जिसमें ग्रामीण स्तर पर 8 तथा नगरीय स्तर पर 13 है । महिला औद्योगिक शिक्षकों की संख्या नगरीय क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों की संख्या 3 है । जब ग्रामीण क्षेत्रों में 0 है । इस प्रकार ललितपुर जनपद में प्राथमिक स्तर सें लेकर उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षण तक शिक्षकों की स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है।

शिक्षार्थी उपलब्धि गुणवत्ता अनुश्रवण प्रारूप :–

शिक्षा की गुणवत्ता का अध्ययन जनपद सहित सभी शिक्षण संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि एवं मूल्यांकन हेतु एन0सी0ई0आर0टी0 के द्वारा क्यू0एम0टी0 विकसित किया गया है। राज्य स्तरीय एवं डायट/बी0आर0सी0 एवं एन0पी0आर0सी0 स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में बी0आर0सी0 तथा एन0पी0आर0सी0 के साथ उपरोक्त प्रारूप के अन्तर्गत चर्चा की गयी है जिसमें डी0एल0एफ0 प्रारूप के अनुसार शिक्षार्थियों की उपलब्धि की सामान्य जानकारी प्राप्त की गयी है।

क्र0सं0	ग्रेड	विद्यार्थियों की प्रतिशत सीमा
1	ग्रेड A 80 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले बच्चे	13 – 17 प्रतिशत
2	ग्रेड B 65–79 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले बच्चे	30 – 35 प्रतिशत
3	ग्रेड C 50–64 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले बच्चे	30 – 32 प्रतिशत
4	ग्रेड D 35–49 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले बच्चे	15 – 20 प्रतिशत
5	ग्रेड E 34 प्रतिशत से कम अंक पाने वाले बच्चे	5 – 8 प्रतिशत

राष्ट्रीय रिपोर्ट कक्षा 5 से अधिक उपलब्धि संप्राप्ति को ज्ञात करने हेतु 2007 –08 में मध्यावधि उपलब्धि सर्वेक्षण उपलब्धि सर्वेक्षण किया गया (बेसलाइन) सर्वेक्षण के द्वारा प्रादेशिक स्तर पर आधारभूत एवं मध्यावधि औसत उपलब्धि की तुलनात्मक तालिका दर्शाया गया हैं।

प्रदेश	भाषा		गणित		पर्यावरण अध्ययन	
	BAS	MAS	BAS	MAS	BAS	MAS
उत्तर प्रदेश	50–2	61–77	37–81	52–39	41–45	56–16
अखिल भारतीय औसत	58–87	60–31	46–51	48–46	50–3	52–19

स्रोतः– उ0 प्र0 बेसिक शिक्षा निदेशालय लखनऊ 2007–08

उपरोक्त ऑकड़ों के आधार पर एस0एस0ए0 के प्रयासों के फलस्वरूप बच्चों में सीखने की प्रगति हुई है। भाषा, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन में आधारभूत मूल्यांकन सर्वेक्षण एवं मिडलाइन मूल्यांकन सर्वेक्षण की तुलना से स्पष्ट हुआ है। देश के अन्य प्रदेशों में उत्तर प्रदेश में गुणात्मक प्रगति की है। गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान में कक्षा 8 के बच्चों का औसत प्रगति निम्न स्तर पर है। जिसके फलस्वरूप प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए अभ्यास पुस्तिका, अभ्यास शीट, गतिविधियां, टी0एल0एम0 एवं अन्य प्रकार की सामग्री से गुणवत्ता सुधारा जा सकता है। जिसमें विद्यार्थी अध्यापक की उपस्थित नियमित होना चाहिए। शिक्षण विधियॉ एवं अध्यापक प्रशिक्षण का मूल्यांकन कार्य निष्पादन अति आवश्यक है। माता–पिता की सामूहिक सहभागिता , सहयोग करके सीखने का अवसर विद्यालय में अधिगम सामग्री की उपलब्धता नये कौशल प्रोजेक्ट तकनीकी ज्ञान आदि की सहायता से शिक्षा गुणवत्ता एवं चुनौतियों का सामना किया जा सकता है।

वर्तमान समय में शिक्षा की गुणवत्ता का संवर्द्धन की आवश्यकता :–

1–सेवाकालीन शिक्षकप्रशिक्षण :–

शिक्षा की गुणवत्ता के संवर्द्धन में अध्यापकों एवं बी0आर0सी0 एव एन0पी0आर0सी0 समन्वयकों की क्षमता निर्माण हेतु प्रदेश के जनपद एवं ब्लाक स्तर पर कई प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कार्यशाला का आयोजन करके वर्तमान समय में शिक्षा की गुणवत्ता का संवर्द्धन किया जा सकता है। बी0आर0सी एवं डायट के मध्य सेवा कालीन अध्यापक की गुणवत्ता को बनाये रखने के कक्षाकक्ष में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से सेवारत अध्यापकों के प्रशिक्षण आयोजन किया जाता है।

2–सहायक शैक्षिक सामग्री :–

अध्ययन क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता का संवर्द्धन सहायक शैक्षिक सामग्री का विशेष महत्वपूर्ण योगदान होता है। बच्चों के कक्षा के अन्दर व बाहर उपलब्ध शैक्षिक सहायक सामग्री उपयोग करके शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर ढंग से आयोजित गतिविधियों एवं जीवन के अनुभवों के आधार पर नये ज्ञान के सृजन में मदद मिलती है। प्राथमिक विद्यालय में सहायक सामग्री प्रोजेक्ट एवं खेल विधि महत्वपूर्ण विधि मानी जाती है।

3–शैक्षिक कौशल नवाचार के साधन :–

शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान समय तकनीकी का उपयोग शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को लचीला और बाल केन्द्रित बनाना है और अध्यापक प्रशिक्षण प्रक्रिया में नया आयाम जोड़ना है। जिससे शैक्षिक कौक्षल नवाचार के साधन के रूप में कम्प्यूटर कौशल का विकास उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए अति महत्वपूर्ण है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए उ0 प्र0 सरकार द्वारा इग्लिश मीडियम के बच्चों के लिए इलाहाबाद, लखनऊ, बुलन्दशहर, गोरखपुर, झॉसी जनपद को सम्मिलित किया गया है।

4–राज्य का शैक्षिक विजन :–

शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार के द्वारा शिक्षा गुणवत्ता संवर्द्धन को बढ़ावा देने के लिए जनपद स्तर पर प्राचार्य, वशिष्ट सहायक अध्यापकों को प्रशिक्षण देखकर प्रशिक्षित किया जा रहा है। हमारा विश्वास है कि बालक बालिका की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार हो रहा है। प्राथमिक विद्यालय स्तर सुधार के लिए सरकार को नई शिक्षा के माध्यम को और गुणवत्ता पूर्ण बनाने की आवश्यकता है।

5–जागरूकता प्रचार–प्रसार की आवश्यकता:–

अध्ययन क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता को कायम करने के लिए जागरूकता अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक प्रचार प्रसार की आवश्यकता है। जनपद ललितपुर अति पिछड़े क्षेत्रों के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को नये तरीके से सफल बनाया जा सकता है।सरकार द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार के लिए जन प्रचार प्रसार एवं नये तकनीकी कौशल के विकास से सम्भव बनाया जा सकता है।

निष्कर्ष एवं सुझाव :–

अध्ययन क्षेत्र ललितपुर जनपद में शिक्षा की गुणवत्ता संवर्द्धन की आवश्यकता शीर्षक के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र में प्राथमिक एवं माध्यमिक स्नातक स्नात्कोत्तर तथा औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत अध्याय की गुणवत्ता में सुधार के लिए भारत सरकार एवं राज्य सरकार की नीतियों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता के संवर्द्धन को कायम किया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के अन्तर्गत बच्चों के पठन पाठन एवं कौशल तथा बौद्धिक क्षमता के विकास के लिए शैक्षिक गुणवत्ता संवर्द्धन की आवश्यकता अति महत्पूर्ण है। संविधान के प्रावधान तथा शिक्षा के मूल अधिकार अधिनियम के तहत समस्त 6 से 14 वर्ष के बालक बालिकाओं को निःशुल्क एवं अनिवार्य प्रारम्भिक शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार के शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रथम स्तर के प्रशिक्षित एवं कुशल अध्यापकों की आवश्यकता से ही शिक्षा की गुणवत्ता के संवर्द्धन की आवश्यकता को सफल बनाया जा सकता है।

सन्दर्भ सूची :–

1. डॉ0 रामशकल पाण्डेय समसामयिक भारत और शिक्षा 2017, अग्रवाल पब्लिकेशन आगरा पृष्ठ सं0 38, 39
2. जनपद सांख्यिकीय पत्रिका ललितपुर 2018–19 , तालिका सं0 41
3. राष्ट्रीय शिक्षा निर्देशालय उ0 प्र0 लखनऊ 2016
4. समाचार पत्र पत्रिका , जर्नल पेपर
5. कम्प्यूटर , इण्टरनेट
6. जनपद शैक्षिक विभाग ललितपुर 2018
7. योजना पत्रिका अगस्त 2014
8. सूचना संचार विभाग ललितपुर 2012